अनुक्रमांक

नाम

102/1 304(MS)

2017

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) 'माधव-विलास' के लेखक हैं

i) विट्ठल नाथ

ii) नाभादास

iii) लल्लू लाल

iv) गोकुल नाथ । 1

ख) 'आनंद कादम्बिनी' के संपादक थे

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) बदरीनारायण चौधरी

iii) प्रताप नारायण मिश्र

iv) बालकृष्ण भट्ट । 1

ग) जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ

i) सन् 1919 में

ii) सन् 1920 में

iii) सन् 1921 में

iv) सन् 1922 में । 1

घ) 'लक्ष्मीपुरा' के लेखक हैं

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) राँगेय राघव

iii) शिवदान सिंह चौहान

iv) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' । 1

ङ) 'शान्ति-निकेतन' में हिन्दी अध्यक्ष पद पर थे

i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) बाबू गुलाब राय । 1

2. क) कवि 'हरिऔध' का रस है

i) करुण

ii) शृंगार

iii) भक्ति

iv) वीर । 1

ख) 'चित्राधार' काव्य की भाषा है

i) अवधी

ii) ब्रज

iii) कन्नौजी

iv) भोजपुरी । 1

ग) कवि पन्त समाजवाद की ओर उन्मुख हुए

i) ग्राम्या में

ii) स्वर्णधूलि में

iii) चिदम्बरा में

iv) ग्रन्थि में । 1

घ) 'सन्धिनी' गीत-संग्रह है

i) पन्त का

ii) निराला का

iii) प्रसाद का

iv) महादेवी का । 1

ङ) 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला

i) वर्ष 1970 में

ii) वर्ष 1971 में

iii) वर्ष 1972 में

iv) वर्ष 1974 में । 1

3. (क) निम्नलिखित गद्यावतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 5 + 1

i) राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है । मनुष्यों ने युग-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है । बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है । संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है । संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि संभव है । राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है । यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिए जायं तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए । जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है ।

ii) कुछ 'मिशनरी' निन्दक मैंने देखे हैं । उनका किसी से बैर नहीं, द्वेष नहीं । वे किसी का बुरा नहीं सोचते । पर चौबीसों घण्टे वे निन्दा-कर्म में बहुत पवित्र भाव से लगे रहते हैं । उनकी नितान्त निर्लिप्तता, निष्पक्षता इसी से मालूम होती है कि वे प्रसंग आने पर अपने बाप की पगड़ी भी उसी आनंद से उछालते हैं, जिस आनन्द से अन्य लोग दुश्मन की । 'निन्दा' इनके लिए 'टानिक' होती है ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) स्वर्गीय वस्तुएँ धरती से मिले बिना मनोहर नहीं होतीं । https://www.upboardonline.com

ii) कुछ लोग बड़े निर्दोष मिथ्यावादी होते हैं ।

iii) भाषा का सीधा संबंध प्रयोग से है ।

4. (क) निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 5 + 1

i) शक्ति के विद्युत्कण जो व्यस्त
विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय;
समन्वय उसका करे समस्त
विजयिनी मानवता हो जाय ।

ii) चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना ।
जाग तुझको दूर जाना ।
अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कम्प हो ले,
या प्रलय के आँसुओं में मौन अलसित व्योम रो ले;
आज पी आलोक को डोले तिमिर की घोर छाया,
जाग या विद्युत-शिखाओं में निठुर तूफान बोले !
पर तुझे है नाश-पथ पर चिह्न अपने छोड़ जाना ।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) यह मनुज ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश ।

ii) कर्म का भोग भोग का कर्म ।

iii) शाश्वत जीवन-नौका-विहार ।

निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए :

3 + 1 = 4

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी ।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए :

3 + 1 = 4

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

7. क) 'लाटी' **अथवा** 'ध्रुवयात्रा' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । **4**

अथवा

'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक के तृतीय अंक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर अमूल्य का चरित्रांकन कीजिए ।

ii) 'आन का मान' नाटक के आधार पर प्रथम अंक का सारांश लिखिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर दुर्गादास के चरित्र का रेखांकन कीजिए ।

iii) 'गरुडध्वज' नाटक के दूसरे अंक का सार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'सूतपुत्र' नाटक के चतुर्थ अंक का सार लिखिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

v) 'राजमुकुट' नाटक के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के नायक की चरित्रगत विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर स्वतंत्रता-संग्राम का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक महात्मा गाँधी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के दु:शासन की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' के प्रथम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' के प्रतिनायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर सप्तम सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्रांकन कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन के चरित्र का रेखांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर प्रथम सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' के दशरथ की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

304(MS) – 2,90,000

https://www.upboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से